

CBSE RESULTS 2023: AT A GLANCE

CLASS	APPEARED	PASSED/	PASS %
		QUALIFIED	
X	108	108	100
XII SCIENCE	82	80	97.56
XII COMMERCE	55	54	98.18
XII HUMANITIES	51	51	100
OVERALL XII	188	185	98.40







RIDDHIMAN PRATAP SINGH CLASS X 96.4%



HARSH BHUSHAN PATHAK
CLASS XII 95.4%



DHIRENDRA KUMAR KUSHWAHA
CLASS XII-COMMERCE 93.4%



PRITHAAYASHI
CLASS XII- COMMERCE 93.4%

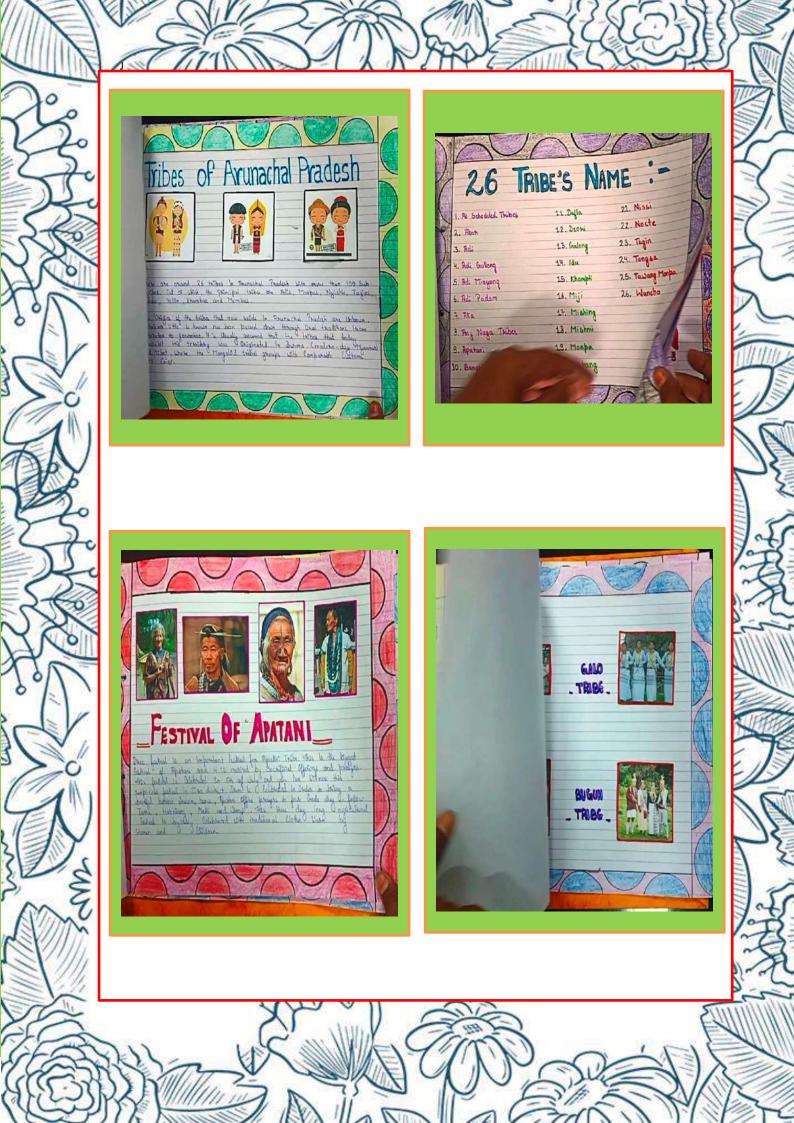






KV AFS MANAURI, PRAYAGRAJ KALA UTSAV















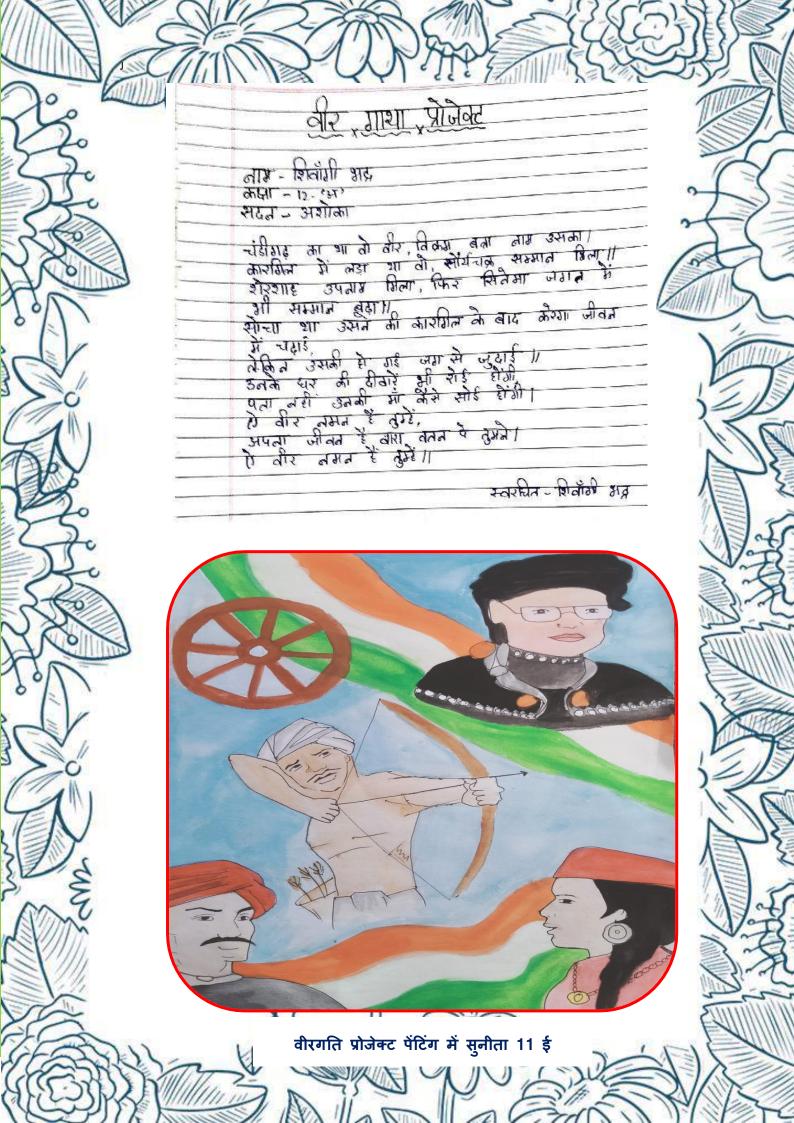






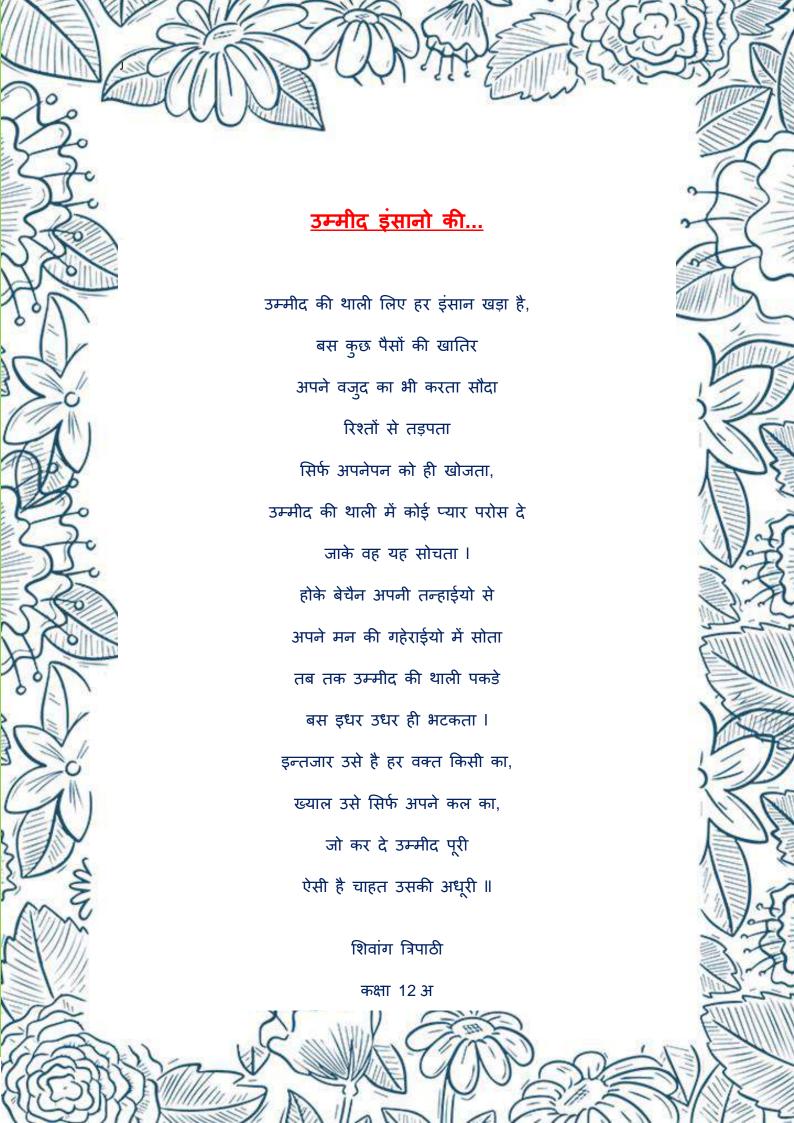


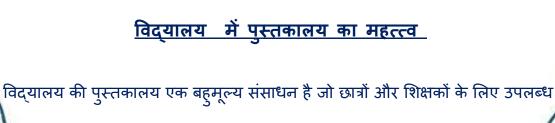
Vin Gatha Project (वीर गाष्ट्रा प्रीजैक्ट) नीम - भीम्या थादव कक्षा - 12- A भवन - अशोका यह गर्म थे पराइ सभी, आँखी में श्रेष्ट्रन श्रेमें श्रेष्ट्रा था। योटी में बैठा तुश्मन, अपने इनंडे की भीच श्रा था। वह पर्वत भी अमान नहीं था, कोई श्रामी मैदान नहीं था, यह गया जी चौटी उसकी वर आम कन्मान नहीं था। जाम दिया था भैरशट उभी ज़ि लड़ मके वट लड गरे, जीनके शव लीटे वह पूर्ण नाथे, कारावाल था युद्द वह, आरत माता मा पुत्रा, विक्रम बता, वह श्रेशह था। लहरा दिया तिरेशा, दुशमन ना टिक अका उनके सामन श्जानीती वह ना समझ मेले जित्ने का कौंग भीय सका था, (विक्रम वता भौर्य तीर चल भी असाबित)





ना नर में कोई राम बचा, नारी में न कोई सीता है। ना भीकुष्ण सा धर्म - अर्धम का किसी में ज्ञान बचा है। हरिचंद्र सा सत्य, किसी के अंदर रचा वसा है 11 न गीतम बुद्ध सा दौर्य बचा , न नानक जी सा परम त्याग | बस जाच रही है नर के भीतर प्रतिशोध की क्विटिन आग || फिर बील की उस स्विष्टिम युग का क्या अंश बाकि तुम में। की किस धुन में रम कर के तुम क्रू नहीं समीत हो, तुम क्वंग की भेष्ठ बताते है। ।। तुम मिनी पितामाह की भांति ही, अपनी जिद पर ही ओड़ रहे तुम अकुनि के वागंत्री से घृणित रहें, तुम दंग रहे, तुम करी के असे भी होकर , दुर्यीधन यल के संग रहें | क्रक दयीधन फिर सता के लिए युद्ध में जाता है। फिर धर्म की चीलम में नफ़रत की चिंगारी से आग लगाकर न्यरसू की चुँमा फुँक - फुँककर मतवलि ठीते जाते ही तुम स्वर की भेख बताते हो।। नंदनी श्राम



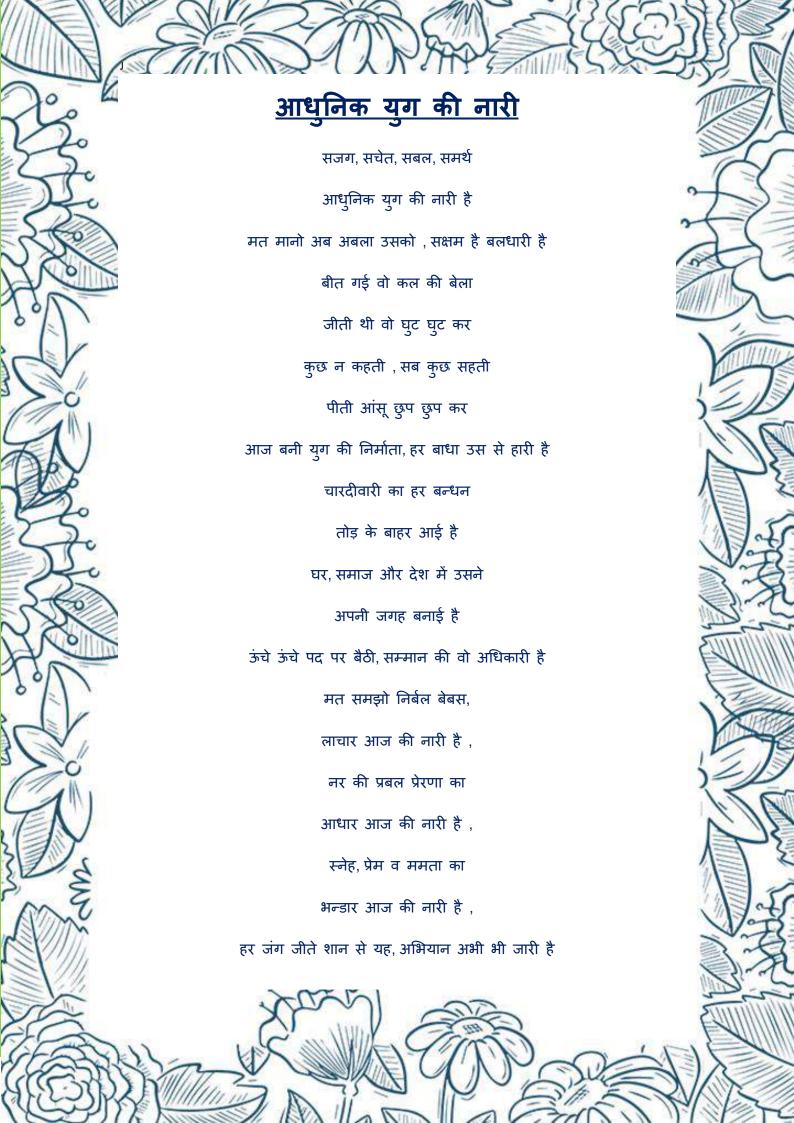


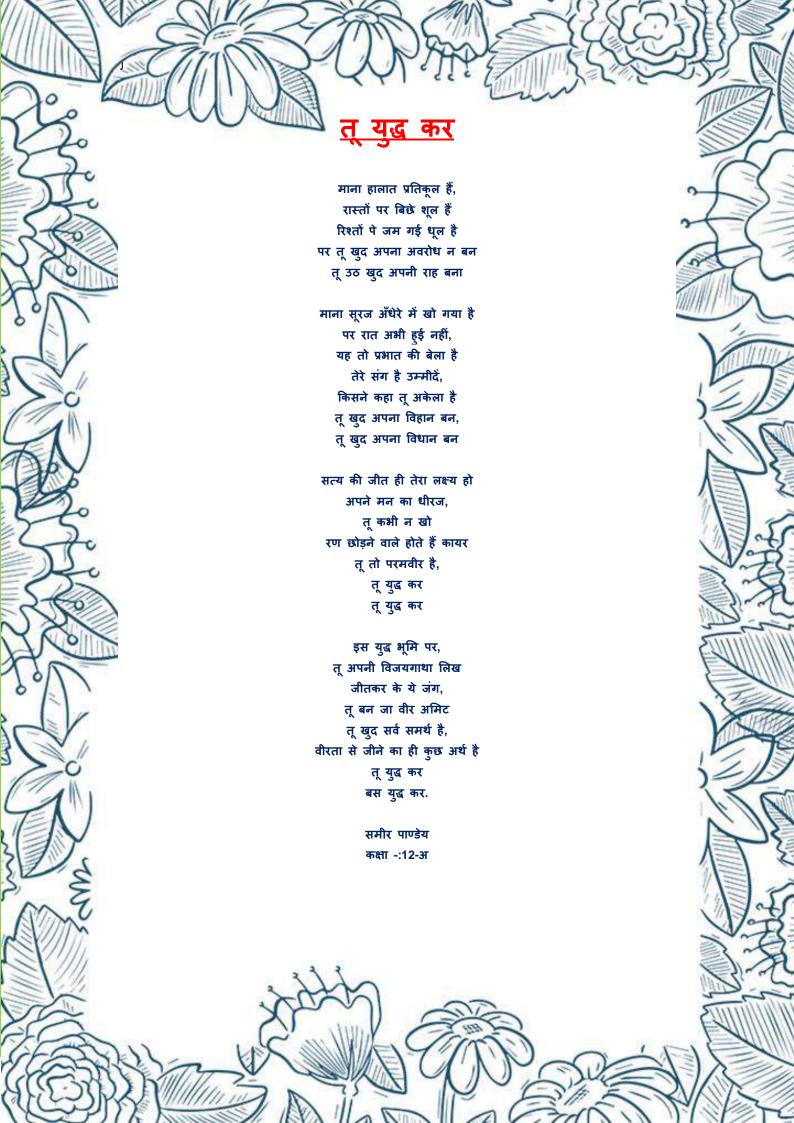
कराती है। यह विभिन्न पुस्तकें, संदर्भ सामग्री, और डिजिटल संसाधनों का पहुंच प्रदान करती है, जिससे पढ़ने की भावना को बढ़ावा मिलता है और शिक्षा को समर्थित किया जाता है। इसे अध्ययन, शोध, और आत्मसुधार के लिए एक शांत और उपयुक्त स्थान के रूप में - प्रयोग किया जाता है। इसके अलावा, विद्यालय की पुस्तकालय अक्सर छात्रों के साहित्यिक कौशल को सुधारने और ज्ञान के प्रति उत्साह भड़ाने के लिए विभिन्न कार्यक्रम और गतिविधियों का आयोजन करती है।

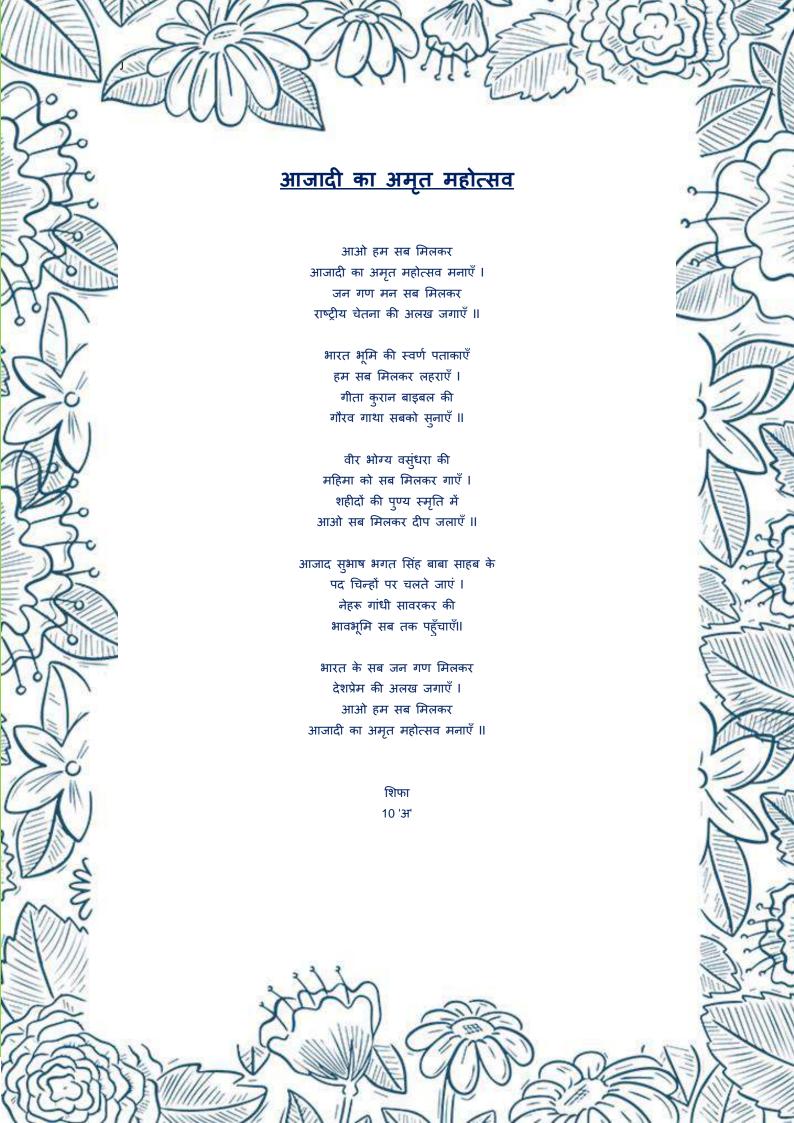
विद्यालय की पुस्तकालय का एक और महत्वपूर्ण फायदा यह है कि वह छात्रों को विभिन्न विषयों पर जानकारी और समझ प्रदान करती है, जो उनके शिक्षा में वृद्धि करता है और उन्हें एक समर्थ और सुविधाजनक नागरिक बनाता है। छात्रों को यहां विभिन्न विषयों की पुस्तकें, साहित्य, खेलखिलाड़ी-, विज्ञान, और इतिहास आदि के बारे में पढ़ने का मौका मिलता है, जिससे उनके विचार और ज्ञान का स्तर उच्च होता है।

विद्यालय की पुस्तकालय शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है और छात्रों के विकास में एक महत्वपूर्ण साधन है। यह छात्रों को समृद्धि, समझदारी, और अध्ययन के प्रति उत्साह की प्रेरणा प्रदान करती है, जो उन्हें उनके भविष्य के लिए सफलता की दिशा में मदद करता है।

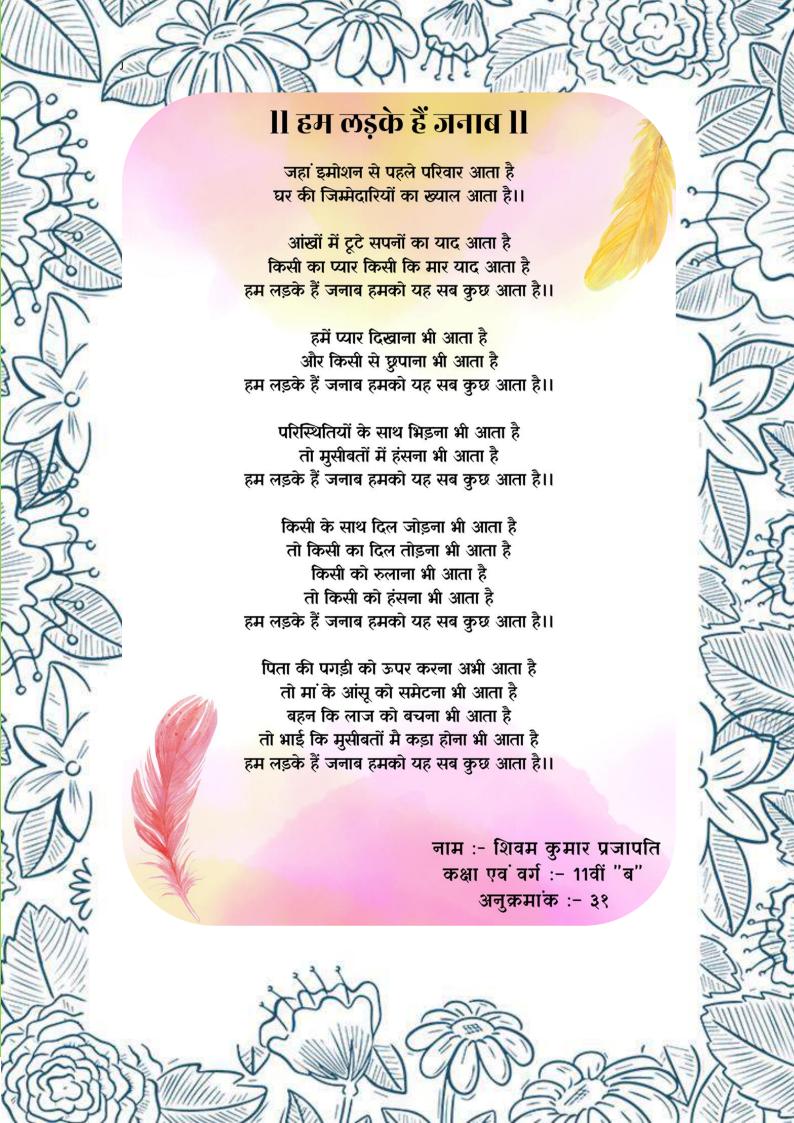
नाम प्रियांशु यादव कक्षा 11 - A

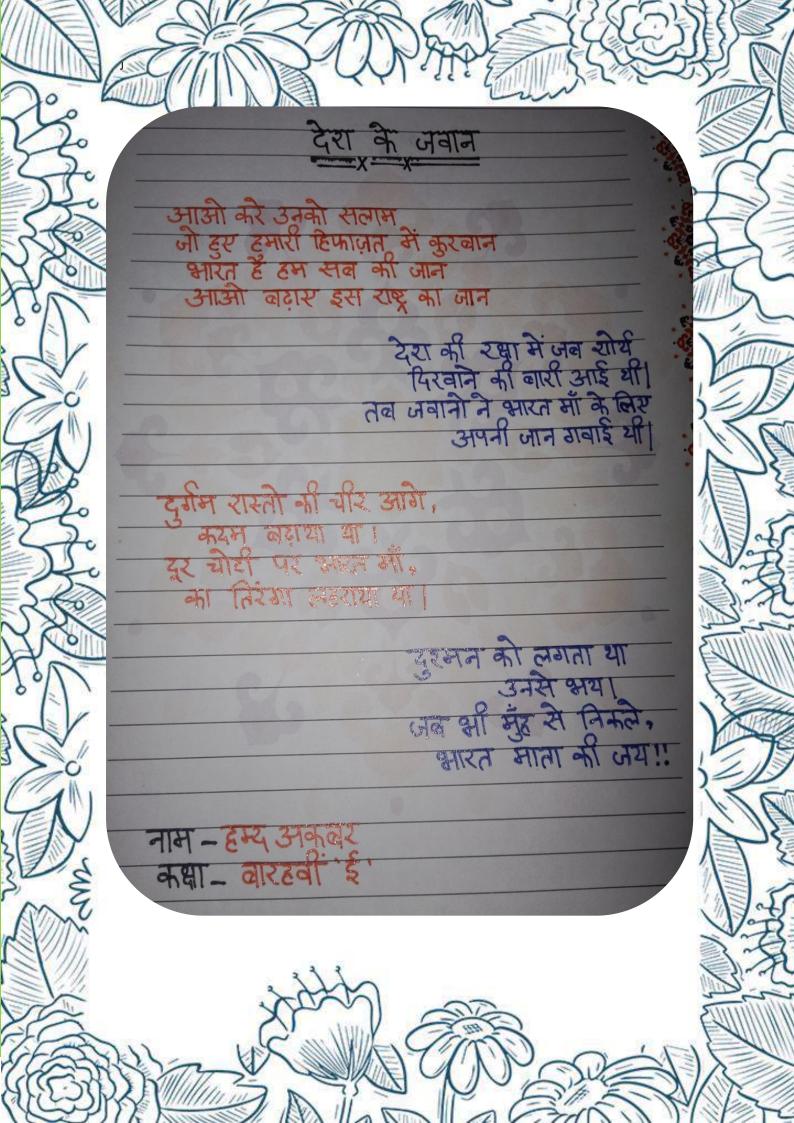


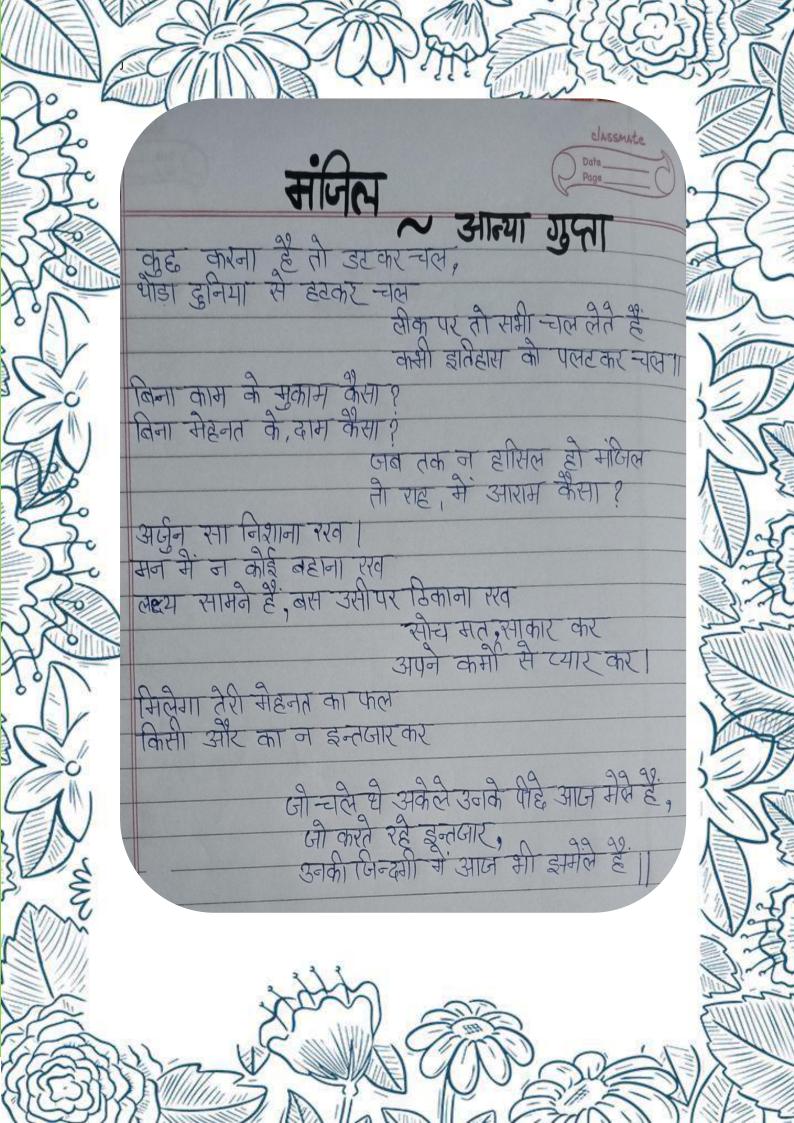


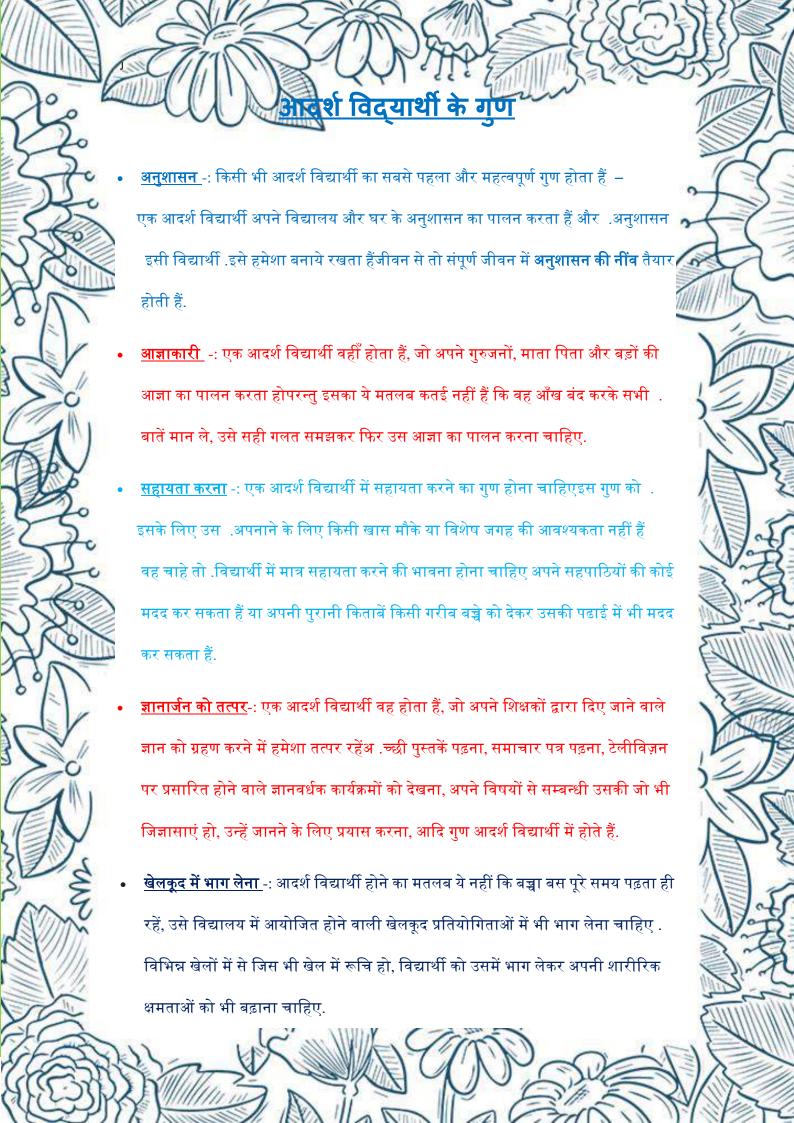


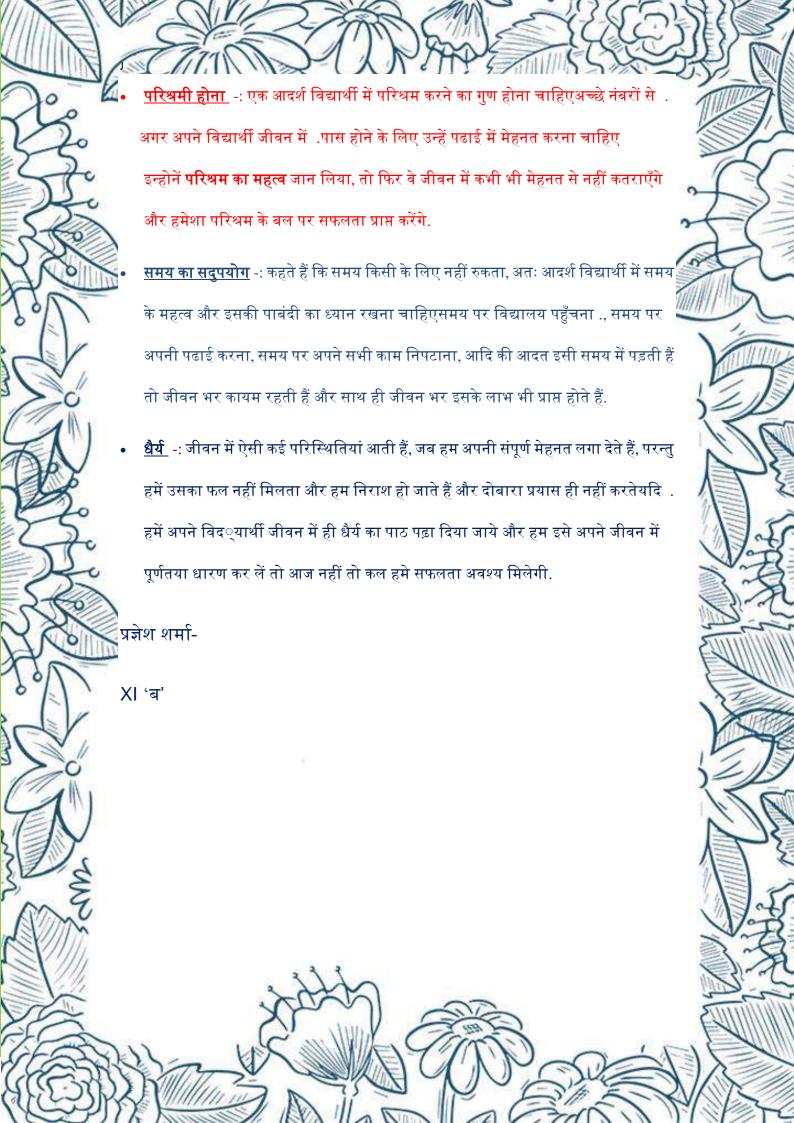
प्यारा प्रारा केरा देश, अमा अवाश मेश देश ज्या जिस पर गर् कर नेमन सितारा मेरा देशा सफल रूनलीना मेरा देशा सफल रूनलीना मेरा देशा सफल जोना भारा विशा सुख का कीना मेरा देशा फुली जाला मेरा देशा, इन्ली जाला मेरा देशा, गंगा ममना की माला का पूली जाला मेरा देशा, इमिहार्स में छोढ़ चढ़ कर Mahi Singh Class XI A

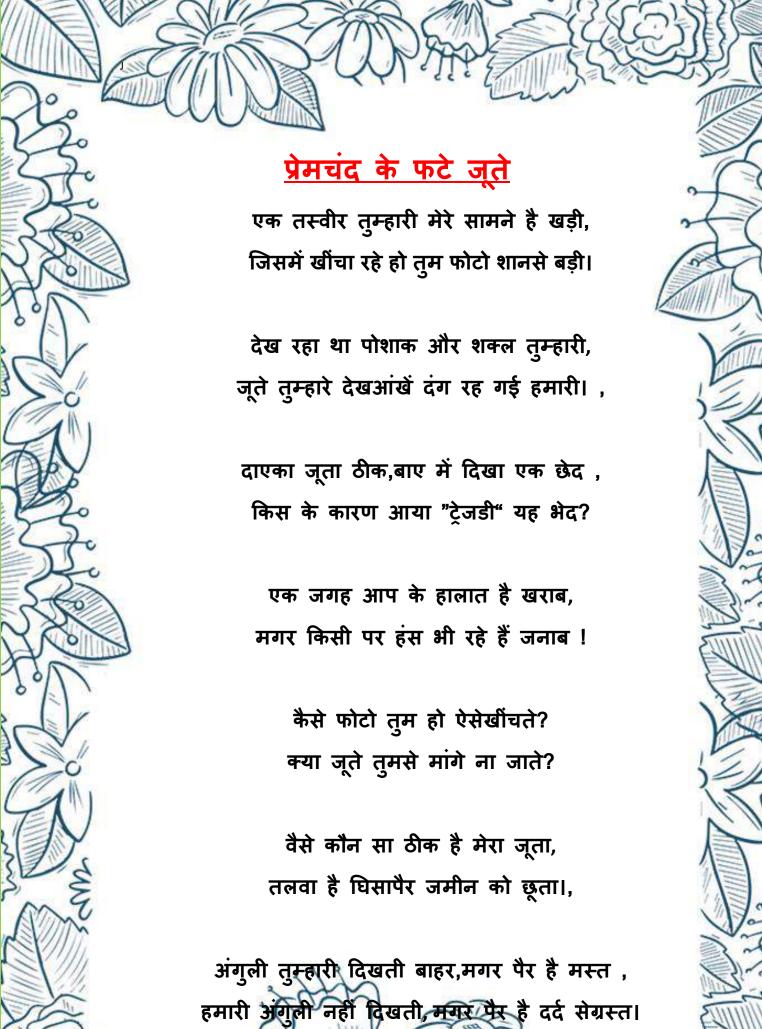


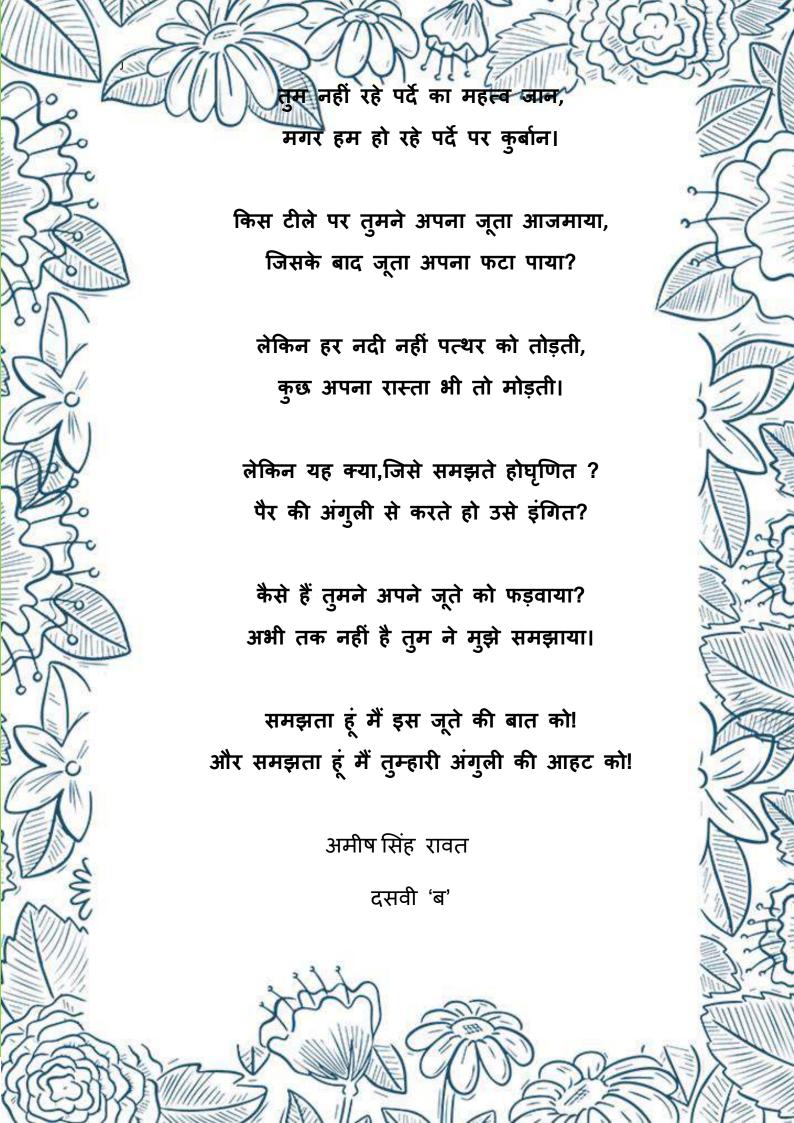


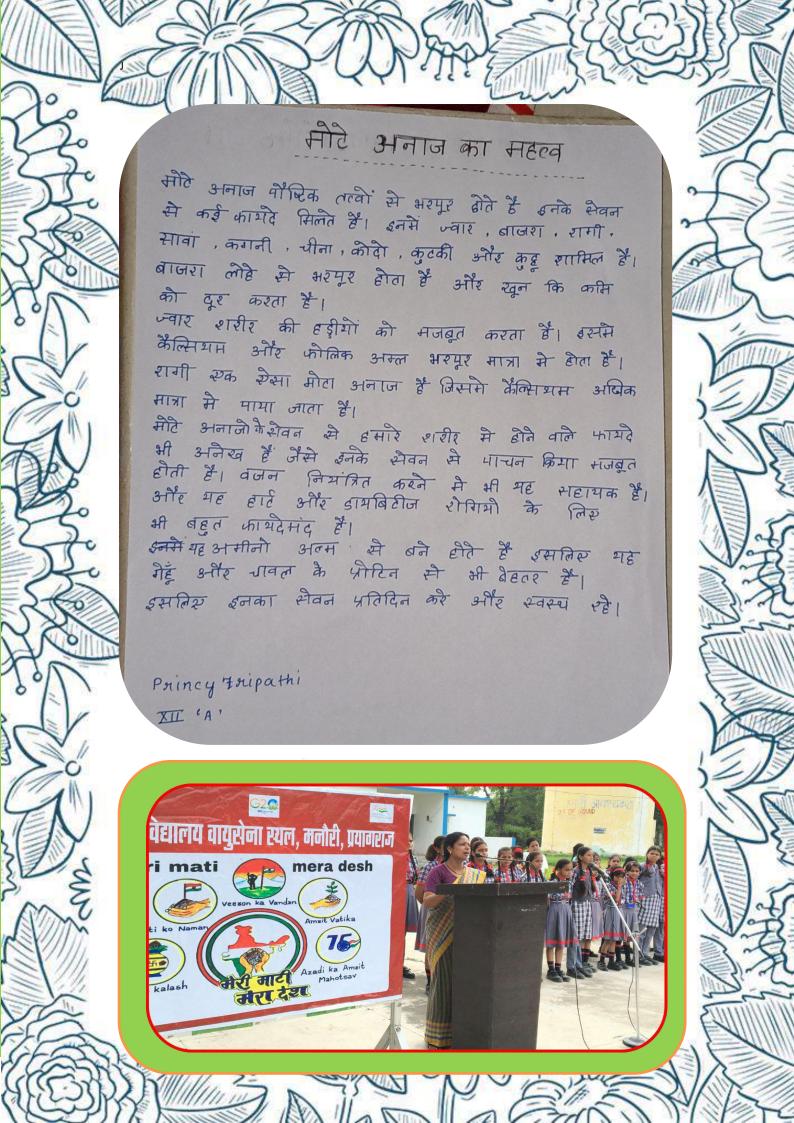


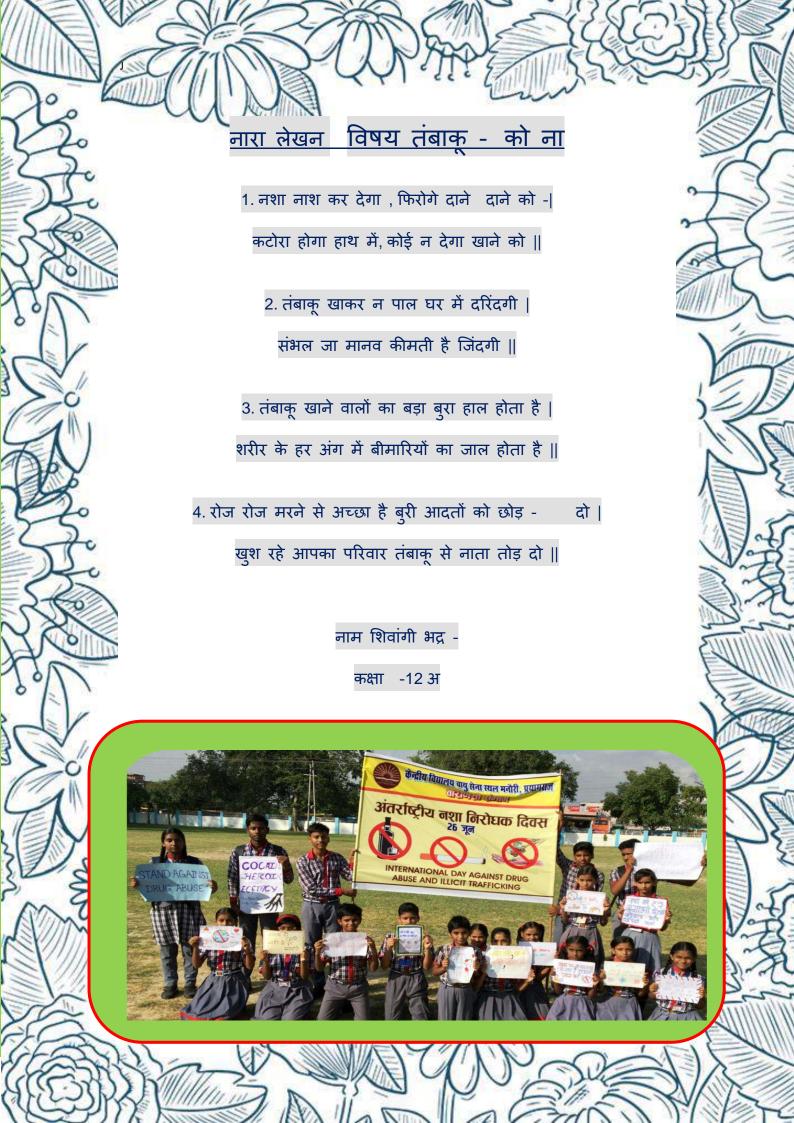












हर शहर का अपना चरित्र होता है

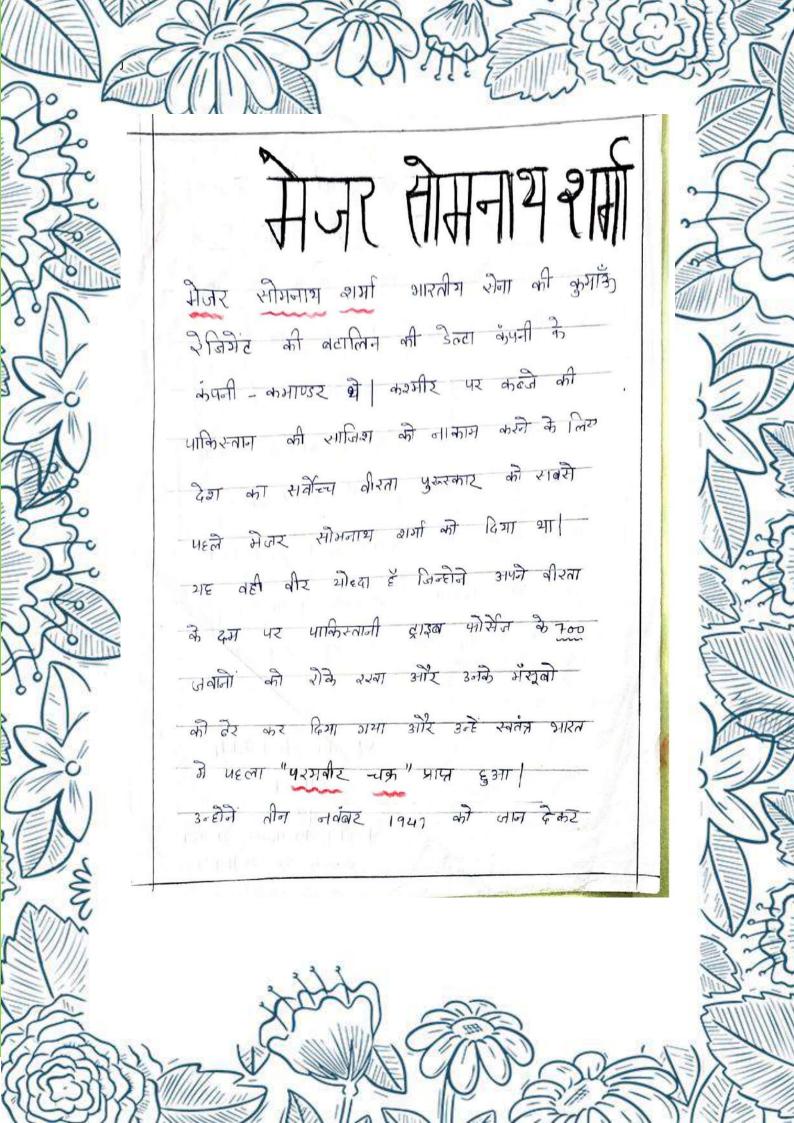
दिनांक २३बजे हमसफ़र से नई दिल्ली ६को २०२२/१०/ स्टेशन पर उतरा। स्बह चाय की तलब बेचैन कर रही थी। अभी आगे की यात्रा के लिए ट्रेन आने में पर्याप्त समय था ऐसे में प्लेटफार्म की चाय पीना कोई बुद्धिमानी नहीं थी। हम लोग अपना बैग लेकर दाहिनी ओर से बाहर निकल गए। दाहिनी ओर ही पहले ठेले 秀 पर मैंने फीकी चाय बनाने का अन्रोध किया। ऐसा लगता था कि ठेले वाले ने अभीअभी यह धंधा शुरू -/ किया था, सभी सामान नया ही था। उसने कहा चाय अभीअभी बनाया हुं-,हल्की शक्कर है। स्बहस्बह बोहनी - 🎹 के समय उस ठेले से दूसरी दुकान जाना उचित नहीं लगा। हम लोग वहीं स्ट्रल पर बैठ कर चाय पीने लगे। चाय पीने के अर∗ चाय पीते समय ऐसा लगा जैसे किसी ने गर्म तवे पर पानी के छीटें डाल दिए हों।मां आंस्ओं में बह गए।है क्या दिल्ली में शक्कर सस्ती -मैंने इतना ही कहा *? पता नहीं वो मेरी बात कितनी समझा,कोई जवाब नहीं दिया। मन खराब हो गया था। मैंने सौ रूपए का नोट उसे पकड़ाया। उसने तीस रूपए चिल्लर की मांग की। उसके पास खुल्ले नोट बह्त थे पर वह न देने पर अड़ा हुआ था। पता नहीं वह ऐसा व्यवहार क्यों कर रहा था? मैंने बगल वाले से ख्ल्ले चाहे तो उसने बड़ी रुखाई से कहा सौ के -एक सौ बीस लगेंगे। यू पी आई से पेमेंट हो नहीं रहा था,सर्वर डाउन था। इसी सब में लगभग पौन 15 मिनट बर्बाद हुए, किसी तरह स्केन हुआ और पेमेंट हो गया। दूकानदार ने कई बार फोन को उलटपलटकर तसल्ली -ए उसके खाते में पहंचे या नहीं। संत्ष्ट भाव से उसने कहा धन्यवाद। तब तक मन्ष्य की कि तीस रूप इमरान भाई अपना धन्यवाद -का मन्ष्य के प्रति व्यवहार से मैं अंदर तक आहत हो गया था। मैंने कहा अपने पास रखो,बाद में त्म्हारे काम आएगा। तब तक उसका पड़ोसी द्कानदार अपना काम छोड़कर एक पैर पर कूदता हुआ मेरे पास आया और बोलने लगा, तुम ऐसा कैसे बोल सकते हो? ये कितने अच्छे से धन्यवाद बोल रहा है और त्म कड़वाकड़वा बोल रहे हो। मैंने कहा मैं ग्राहक हूं और ये द्कानदार इसने अपने मन -कीचाय पिलाई और मैंने इसे तीस रूपए दिए इसके बीच धन्यवाद कहां से आ गया। मुझे चाय चाहिए थी मिल गई,उसे पैसा चाहिए थे मिल गए, अब मुझे धन्यवाद नहीं चाहिए। विवाद बढ़े उससे पहले हम लोग बैग घसीटते हए चल पड़े। पीछे से वे दोनों बड़बड़ाते रहे। शायद वह घर से झगड़ा करके द्कान खोलने आया रहा होगा उसने ज़्बान की शक्कर भी चाय में डाल दी थी।

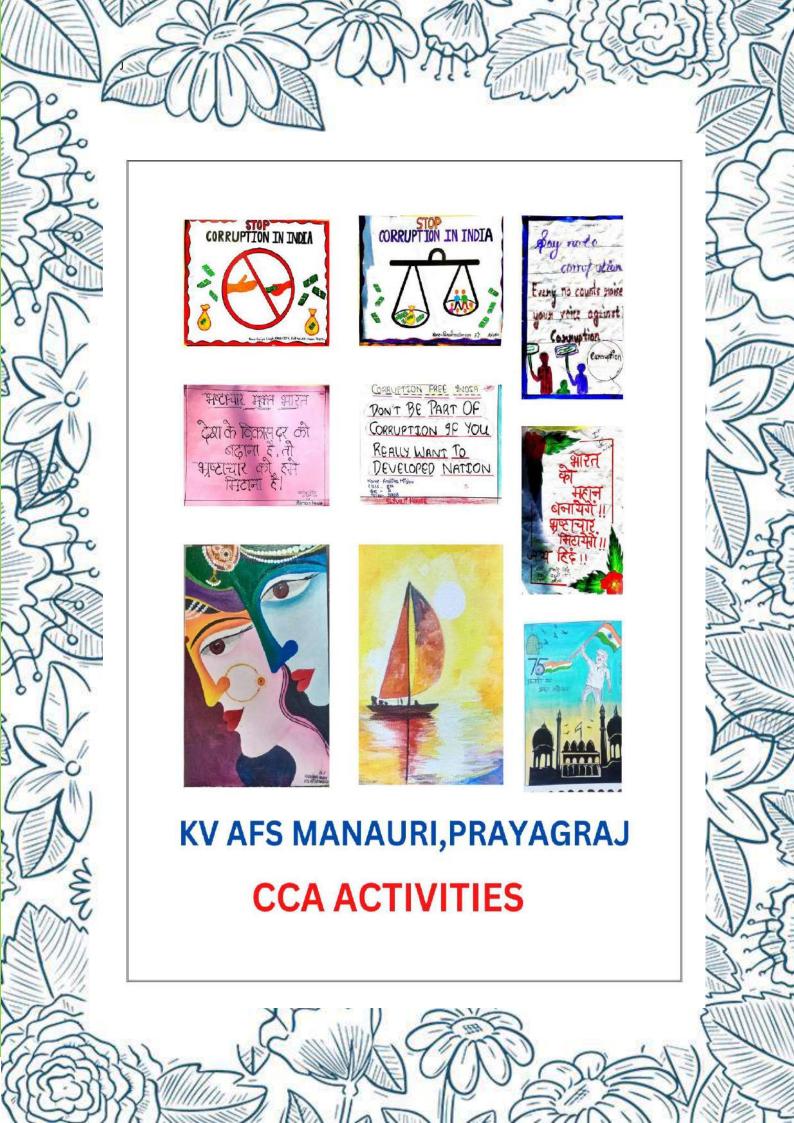
दानिश इक़बाल

TREE- PLANTATION

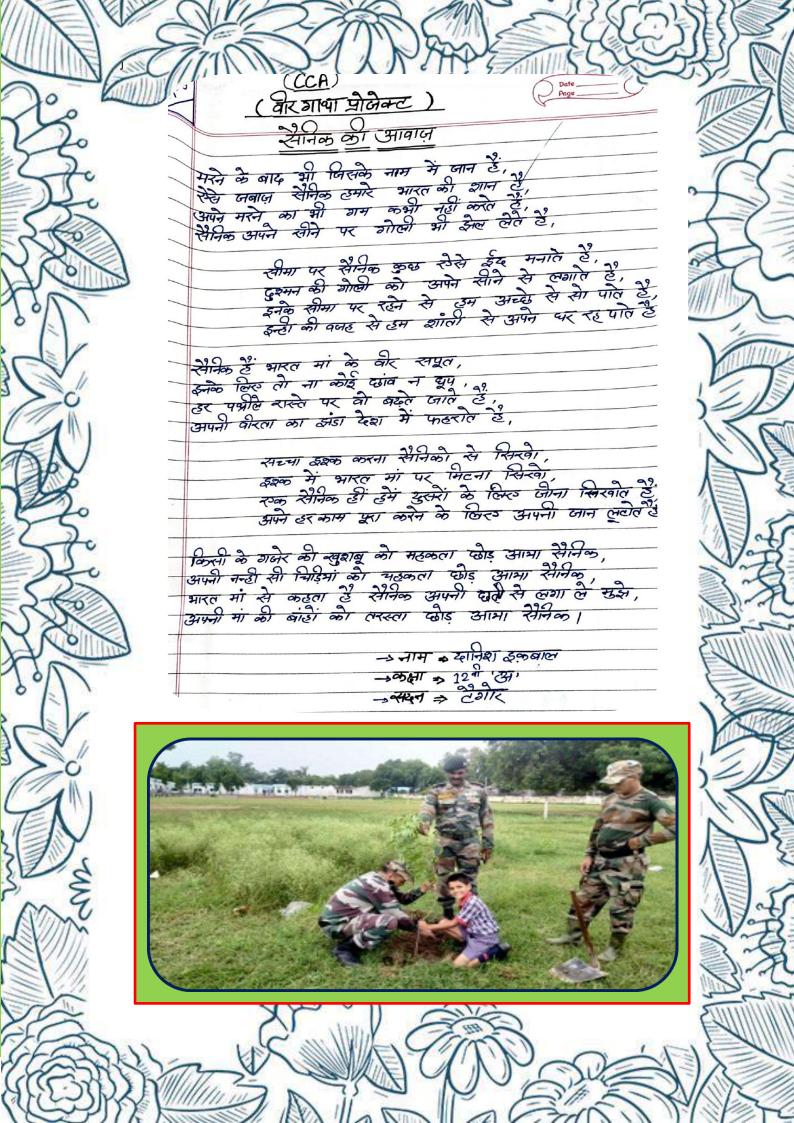


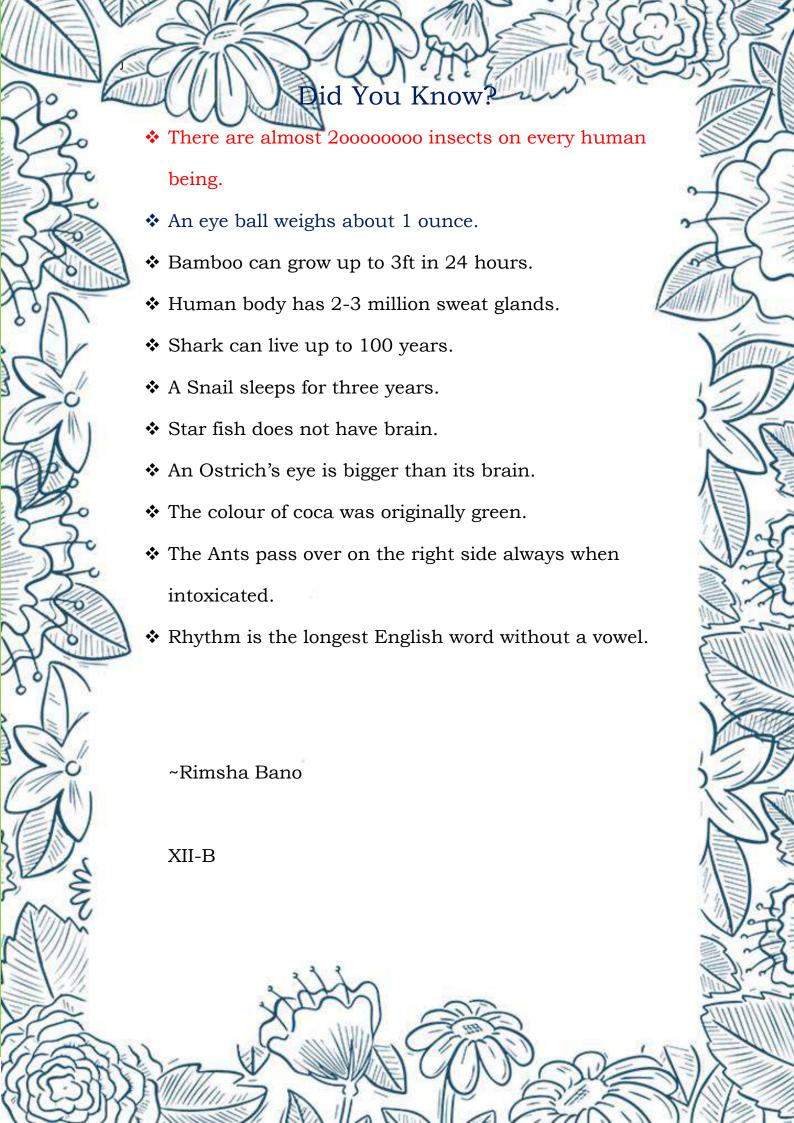


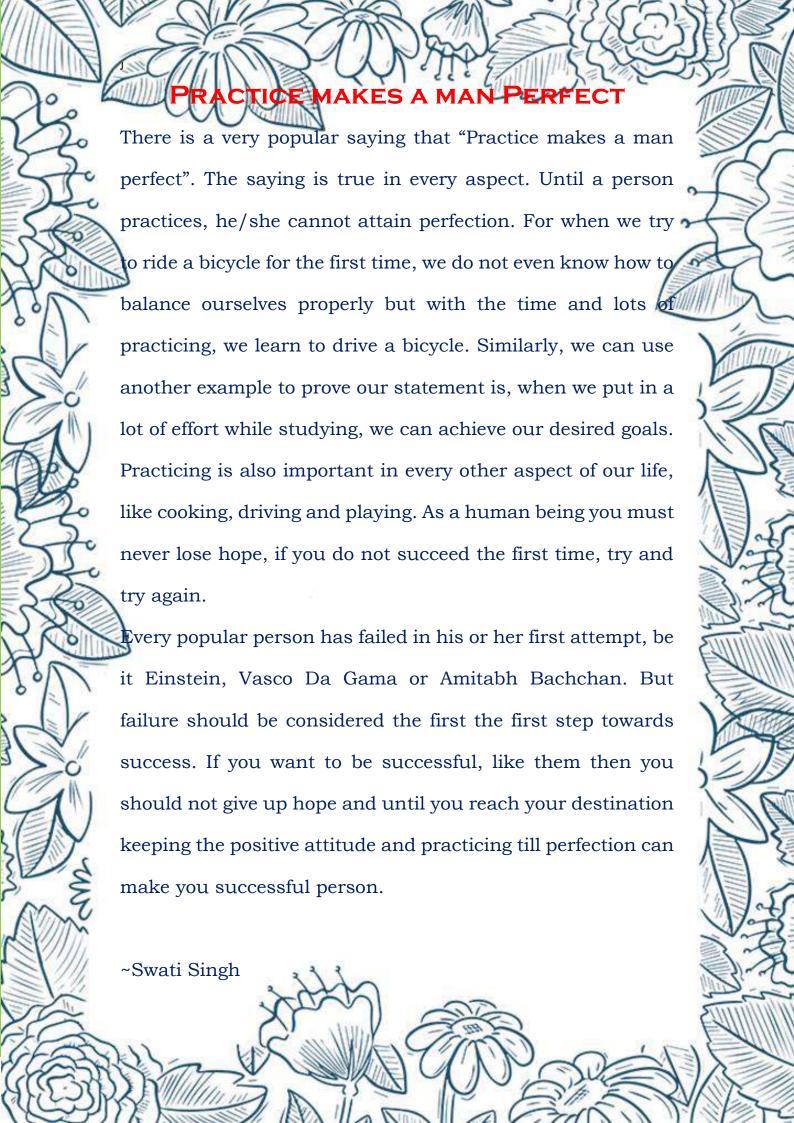


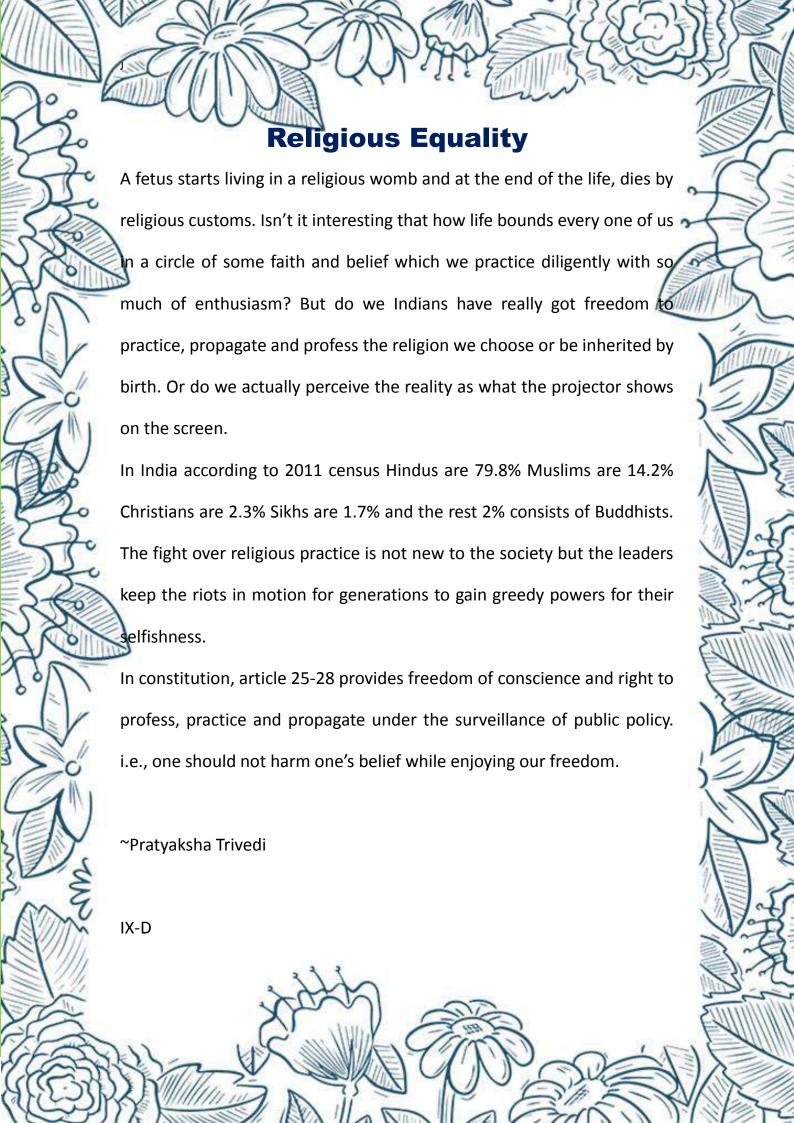


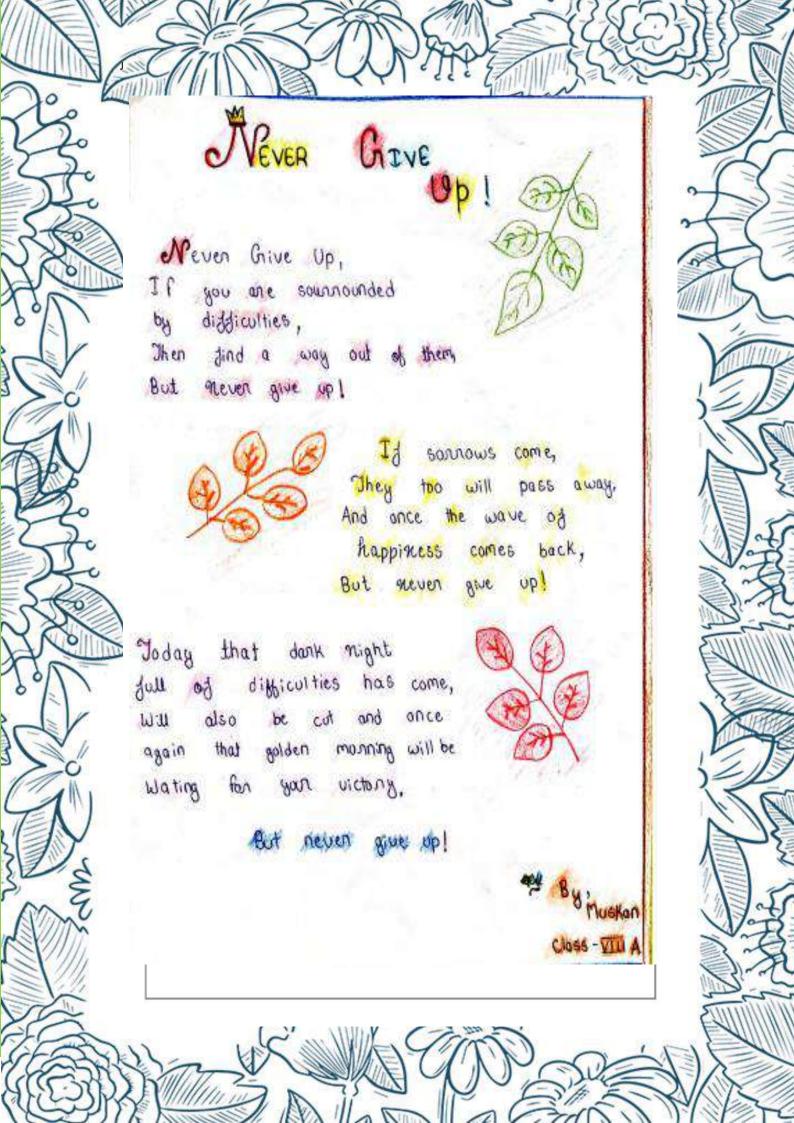


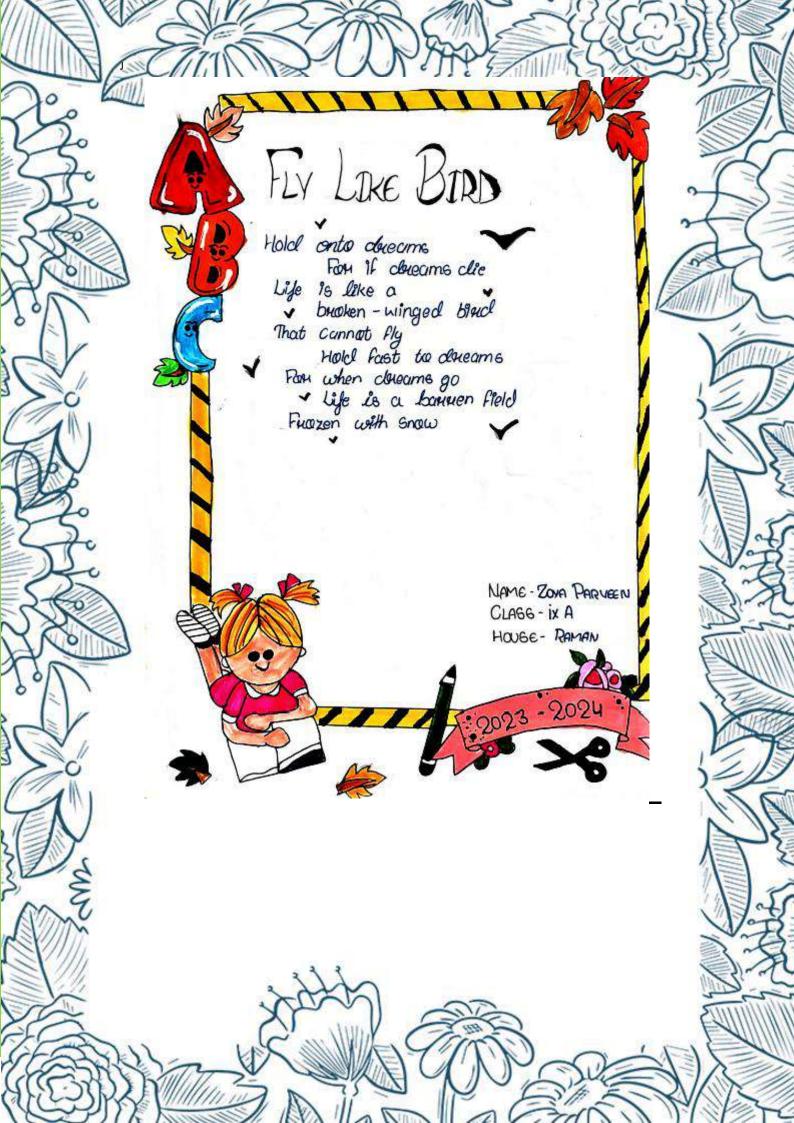




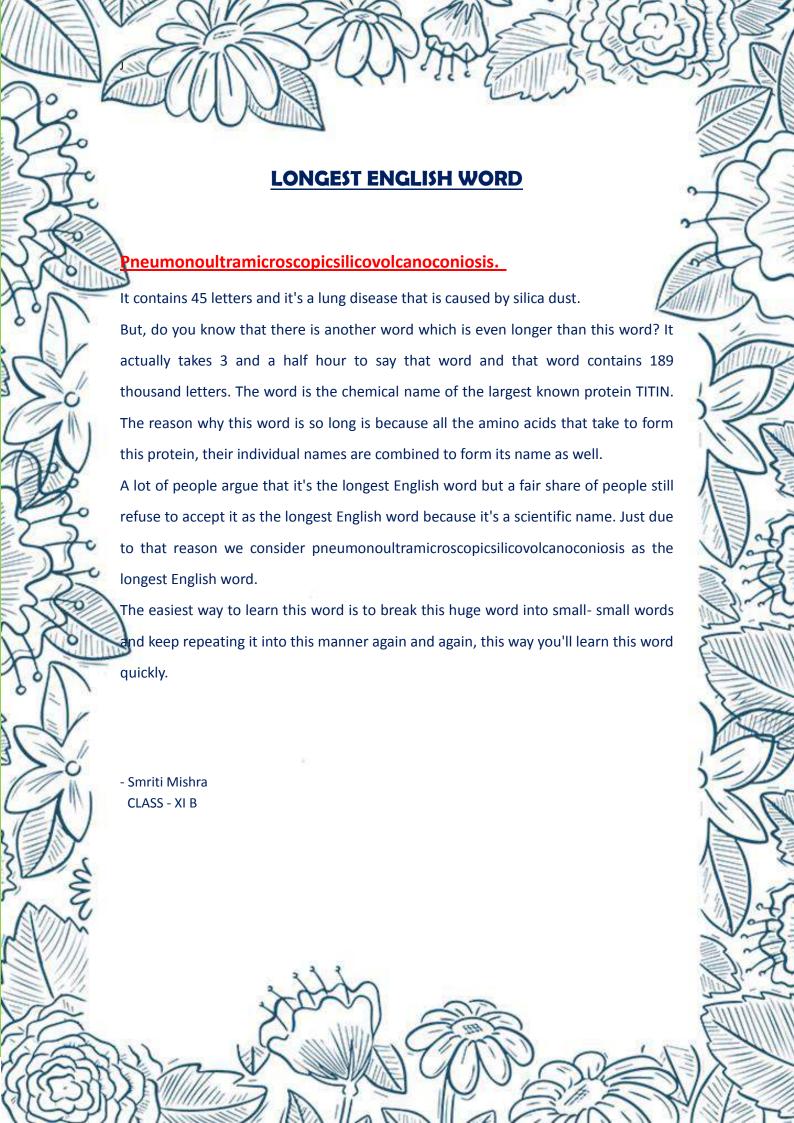


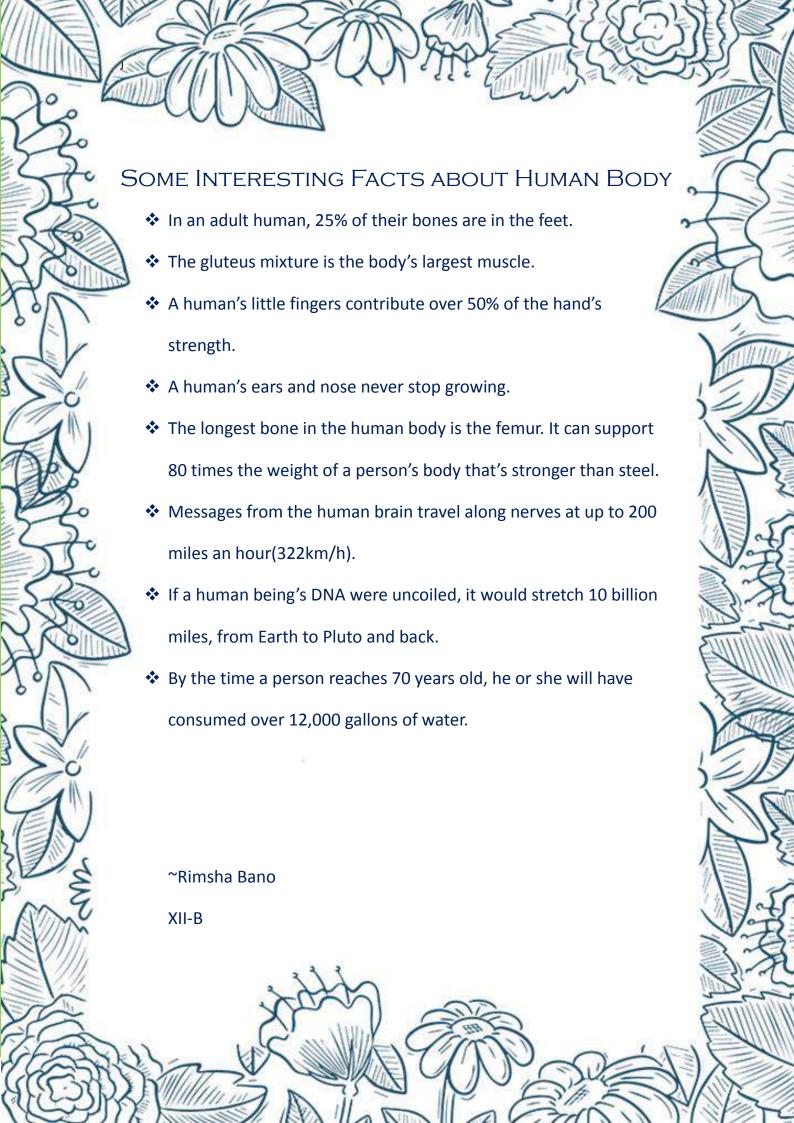




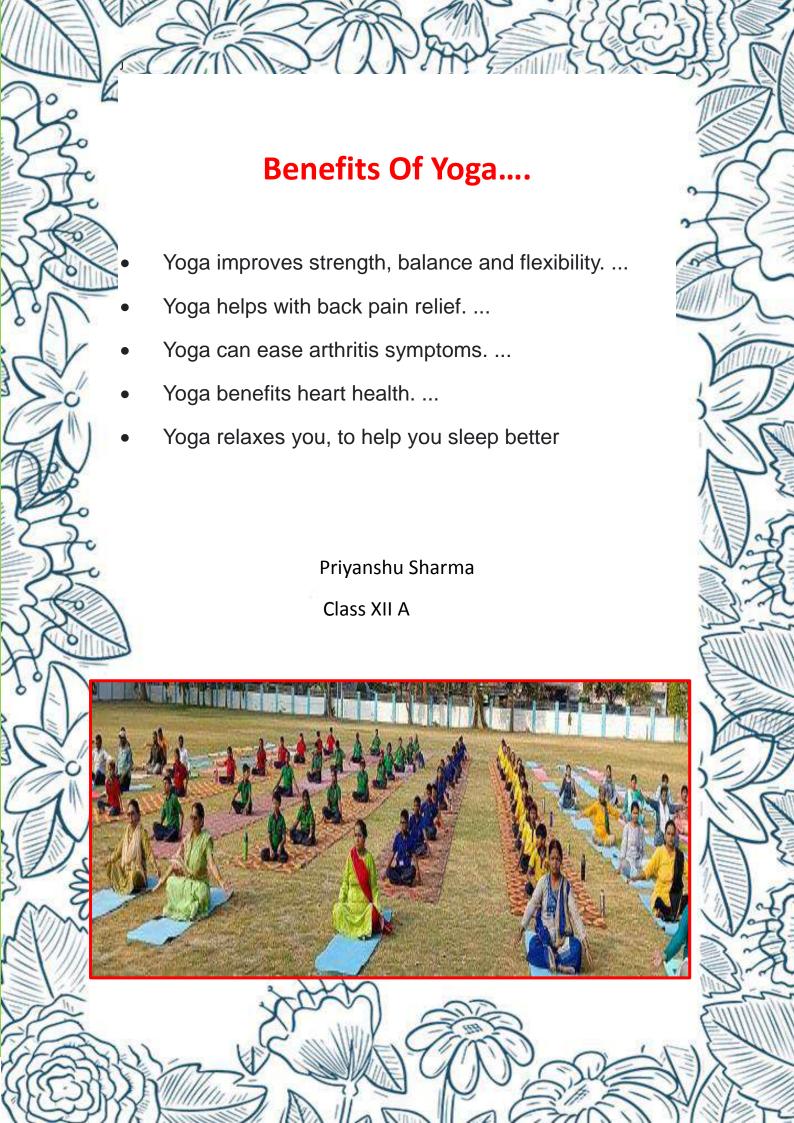


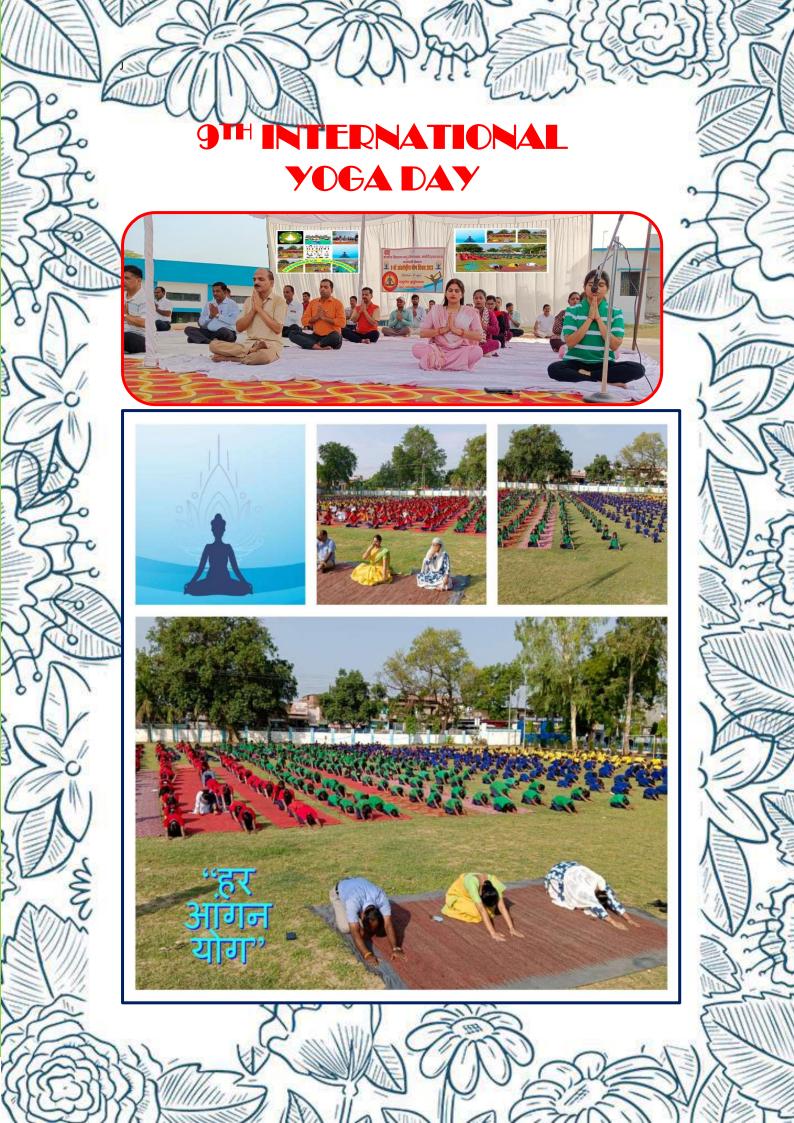


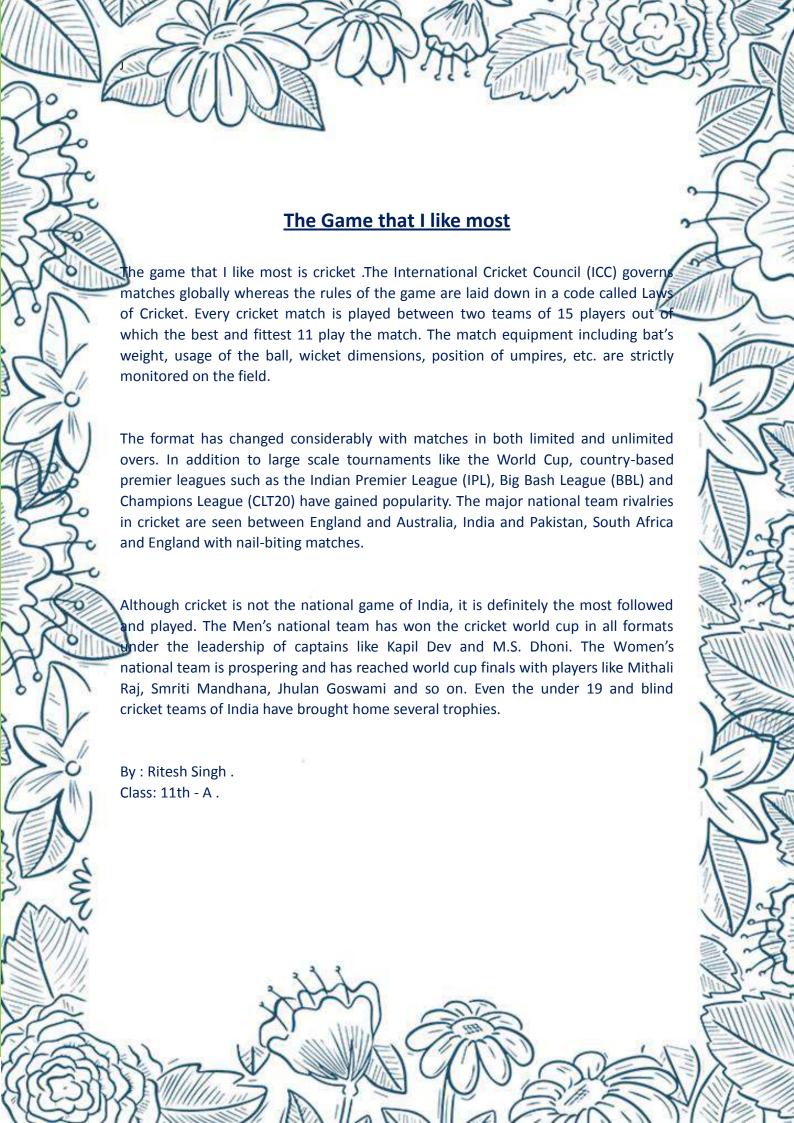


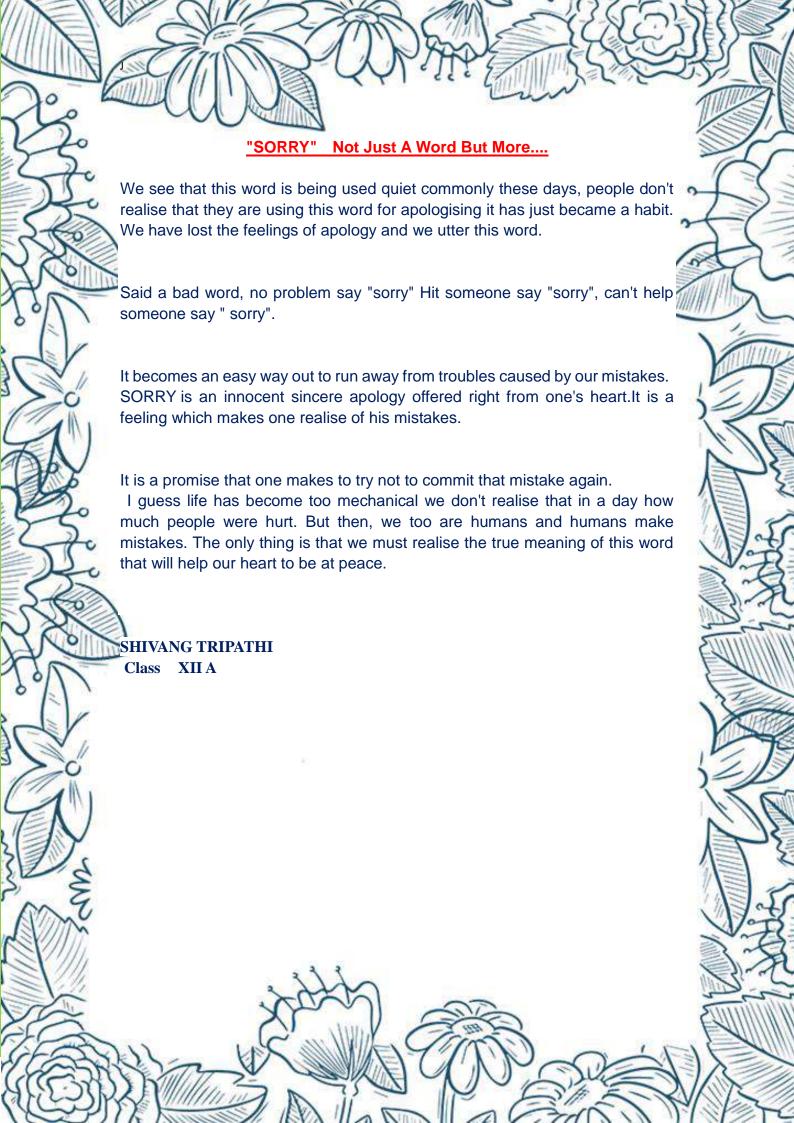














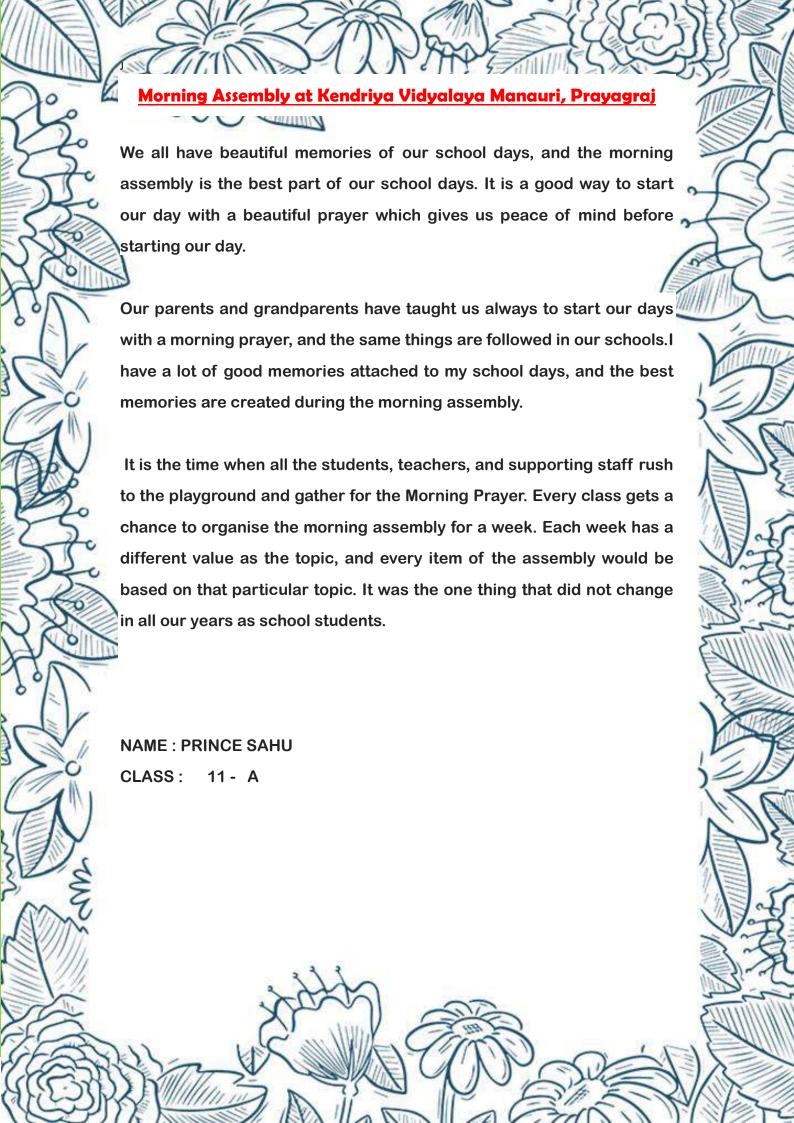
A library is a must for a good school. No school is complete without a library. A well-equipped library is a great asset to a school. It is equally useful for students and teacher's both. It helps to develop reading habits. It increases their knowledge. My school also has a big library. There are many book cases in it. Books are arranged subject wise in them. There are many books on every subject. A number is given to each book .All kinds of books are available in our school. Library such as books on literature, history, civics, mathematics, physics, chemistry, sports, etc. The biggest section of books in the library contains children's books. These books cover stories, adventure, jokes book etc. In addition to that, my school library offers daily based all fresh newspapers, magazines and new books. My school library is managed by an experienced administrator. Students are allowed to read books at library or borrow books.

I like my library very much.

Sadhvi Prajapati Class XI - A







Demonetisation and its Impact on the Indian Economy

On November 8, 2016, the Indian government announced a historic decision that sent shockwaves through the nation: demonetisation. It involved the immediate withdrawal of all **Rs.**500 and **Rs.** 1,000 banknotes of the Mahatma Gandhi Series from circulation. The move aimed to curb corruption, black money, counterfeit currency, and promote a cashless economy. In this article, we delve into the impact of demonetization on the Indian economy, its short-term consequences, and the long-term implications.

Short-Term Impact

- 1. Cash Crunch and Economic Slowdown: The sudden withdrawal of 86% of the total currency in circulation led to a severe cash shortage in the economy. Small businesses, daily wage laborers, and the informal sector, which largely relied on cash transactions, were hit hard. The scarcity of cash led to reduced consumer spending and dampened overall economic activity, causing a short-term slowdown.
- 2. Disruption in Supply Chains: Businesses faced challenges in managing their cash flows and inventory, leading to disruptions in supply chains. Many companies experienced a dip in production and faced difficulty in paying salaries and meeting expenses.

Long-Term Implications

- 1. Formalisation of the Economy: One of the key objectives of demonetisation was to formalise the Indian economy by bringing more transactions into the formal banking system. As a result, there was an increase in digital payments, leading to better transparency and accountability.
- 2. Tax Compliance: Demonetization encouraged people to declare their undisclosed income and pay taxes. This led to an expansion of the tax base, which, in the long run, could positively impact government revenues.

Conclusion

Demonetisation was a bold move with both short-term challenges and potential long-term benefits for the Indian economy. While the short-term disruptions were evident, the long-term impact on tax compliance, digital payments, and the formalisation of the economy has the potential to shape India's economic landscape positively. Nevertheless, the success of demonetization should also be evaluated alongside other policy measures and reforms taken by the government to ensure sustained economic growth and inclusive development.

NAME - SURYA SHARMA CLASS - 11 - A

